Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं
विषय - हिन्दी साहित्य
दिनांक - 02 मई, 2024
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : एकांकी संचय

पाठ-2 'बहू की विदा' (एकांकी) लेखक- विनोद रस्तोगी

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-
"बेटी और बहू को ---------- बेटी-बेटी, बहू-बहू।"

प्रश्न(i) उपर्युक्त कथन किसने, किससे कहा तथा कब ?
उत्तर- उपर्युक्त कथन जीवनलाल ने प्रमोद से कहा है। जब जीवनलाल ने अपनी बहू कमला की तरफ संकेत करके कहा था कि तुम्हारी बहन के सपने पूरे नहीं होंगे' तब प्रमोद ने इस 'तुम्हारी बहन' शब्द को पकड़ लिया और व्यंग्य से जीवनलाल से कहा कि जो हमारी बहन है वह आपकी कोई नहीं है। तब जीवनलाल ने गुस्से में उपर्युक्त वाक्य कहा कि बेटी और बहू को एक ही तराजू में तौलना चाहते हो? बेटी-बेटी है और बहू-बहू।

प्रश्न(ii) बेटी और बहू से किस-किस की ओर संकेत है ?
उत्तर- 'बेटी' शब्द से जीवनलाल की पुत्री गौरी की तरफ़ संकेत है। और 'बहू' शब्द से रमेश की पत्नी कमला की तरफ़ संकेत है। जीवनलाल के इस वाक्य से पता चलता है कि वह बेटी और बहू को एक समान नहीं समझता है।

प्रश्न(iii) बेटी वाला होकर भी वक्ता को किस बात का अहंकार था ?
उत्तर- बेटी वाला होकर भी वक्ता को इस बात का अहंकार था कि उसने अपनी बेटी को खूब दहेज दिया है, बारात की बहुत बढ़िया खातिरदारी की, जिसे देख लोग आश्चर्यचकित रह गए थे। लड़की वाला होकर भी समाज में उसकी नाक ऊँची है।

प्रश्न(iv) 'बेटी-बेटी है और बहू-बहू' — इस कथन से वक्ता की किस मानसिकता पर प्रकाश पड़ता है ?
उत्तर- 'बेटी-बेटी है और बहू-बहू' — इस कथन से यह पता

चलता है कि वह (जीवनलाल) संकीर्ण मानसिकता वाला व्यक्ति है। वह अपनी बेटी को प्यार करता है और उसके साथ सहृदयता का भाव रखता है और बहू को पराई लड़की समझता है। उसे इस बात का ज्ञान नहीं कि बहू उसके परिवार की एक सदस्य है और बेटी के समान ही है। जीवनलाल दहेज का लालची और स्वार्थी व्यक्ति है, उसे बहू के दुःख-दर्द से कोई लेना देना नहीं है।

(ii) "मैं कहता हूँ रोओ मत। इन मोतियों का मूल्य समझने वाला यहाँ कोई नहीं है। पानी से पत्थर नहीं पिघल सकता।"

प्रश्न (i) कौन, किससे बातें कर रहा है?

उत्तर - यहाँ प्रमोद अपनी बहन कमला से बातें कर रहा है। वह कमला को लेने आया था मगर जीवनलाल विदा से पहले पाँच हज़ार रुपए देने की माँग करता है। प्रमोद लाचार है वह इतनी राशि अभी नहीं दे सकता अतः कमला को लिए बिना ही घर लौट जाना चाहता है पर जाने से पहले अपनी बहन से मिलना तथा बात करना चाहता है। उससे मिलकर कमला रो पड़ती है क्योंकि उसके ससुर उसे मायके भेजने के लिए राजी नहीं हैं।

प्रश्न (ii) रोने वाला कौन है? उसके रोने का क्या कारण है?

उत्तर - रोने वाली कमला है। उसके रोने का यह कारण है कि उसके ससुर जीवनलाल की यह बात दुःखी कर रही है कि उन्हें अपने बेटे के विवाह में कम दहेज मिला, जिससे बिरादरी में उनका अपमान हुआ। इस दुःख को वे भुला नहीं पा रहे हैं और अब कमला को सावन में विदा करने से पहले पाँच हज़ार की माँग कर रहे हैं।

प्रश्न (iii) वक्ता ने 'मोतियों' का प्रयोग किस अर्थ में किया है?

उत्तर - वक्ता अर्थात प्रमोद ने 'मोतियों' शब्द का प्रयोग कमला के आँसुओं के लिए किया है। कमला के ससुर निर्दयी हैं। वे इस बात की बिलकुल परवाह नहीं करते हैं कि विवाह के बाद पहले सावन में लड़कियाँ अपनी माँ के घर आती हैं और पूरे महीने अपने मायके में ही रहती हैं। जीवनलाल पत्थर दिल इंसान है वह अपनी बहू की इन भावनाओं को नहीं समझ सकता इसलिए

प्रमोद का कहना है कि बहन रोओ मत। इन मोतियों का मूल्य समझने वाला यहाँ कोई नहीं है।

प्रश्न (iv) 'पानी से पत्थर नहीं पिघलता' - इस कथन का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 'पानी' कमला के आँसुओं को कहा है और 'पत्थर' जीवन लाल को कहा गया है। प्रमोद का मानना है कि कमला के आँसुओं से कठोर-हृदय जीवनलाल का हृदय नहीं पिघलेगा। कमला के आँसू बहाने पर भी वह अपना निर्णय नहीं बदलेगा इसलिए कमला का आँसू बहाना व्यर्थ है।